परिवर्तन

डीएवीवी, आईआईटी सहित कई संस्थान विद्यार्थियों को दे रहे हैं ई-कंटेंट

तेजी से ई-लाइब्रेरी पर शिफ्ट हो रहे हैं विद्यार्थी

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। किताबें पढ़ने की आदतों में बदलाव आ रहा है। कॉलेज की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी अब घंटों लाइब्रेरी में बैठकर पढ़ाई करने के बजाए मोबाइल और लैपटॉप पर ई- बुक से पढ़ाई करने पर ज्यादा समय दे रहे हैं। ई-लाइब्रेरी कॉन्सेप्ट आने से यूनिवर्सिटी, आईआईटी, आईआईएम, एसजीएसआईटीएस और अन्य कई संस्थानों ने विद्यार्थियों को ई-कंटेंट उपलब्ध कराना भी शुरू कर दिया है। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के पास 20 हजार से ज्यादा ई-बुक उपलब्ध है। कई ई-लाइब्रेरी कंपनियों से भी यूनिवर्सिटी ने समझौता कर रखा है। विद्यार्थियों को इन्हें पढ़ने के लिए एक्सेस दिया गया है।

पुरानी किताबों को भी स्कैन कराकर ऑनलाइन किया जा रहा

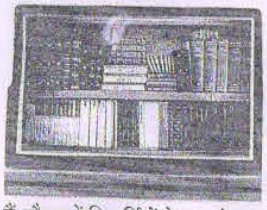

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने अपने हजारों मैन्युअल किताबों को ई-कंटेंट में कन्वर्ट कर दिया है। कई किताबें जो बहुत पुराने

हैं और उन्हें विद्यार्थियों के हाथ में अब नहीं दी जा सकती, उन्हें भी स्कैन कराकर ऑनलाइन कर दी गई है। यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी), स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस और अन्य विभागों के विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी का ज्यादा उपयोग कर रहे हैं। इन विभागों से संबंधित कोर्सेस की किताबे बहुत महंगी और कम उपलब्ध हो पाती है। कई किताबे विदेशों से मंगानी पड़ती है। ऐसे में इंटरनेट का सहारा लेकर विद्यार्थी ई- किताबे पढ़ रहे हैं। स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रो. कीर्ति पवार का कहना है कम्प्यूटर साइंस की दुनिया में लगातार बदलाव हो रहे हैं। कुछ ही महीने बाद कोई नई टेक्नोलॉजी आ जाती है। ऐसे में ई-लाइब्रेरी बहुत फायदेमंद साबित होती है। विद्यार्थी अगर अपने स्तर पर कोई ई-लाइब्रेरी ज्वाइन करना चाहते हैं तो वे भी बहुत कम शुल्क में घर बैठे अपना आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर दुनियाभर की बेस्ट यूनिवर्सिटी की किताबों को एक्सेस कर सकते हैं।

आईआईटी की सभी किताबें इंटरनेट पर मौजूद हैं

आईआईटी, इंदौर लाइब्रेरी के मामले में बहुत एडवांस काम कर रहा है। संस्थान के पास देश के सभी आईआईटी की किताबों को एक्सेस करने का साधन है। इसके अलावा विदेशों की कई लाइब्रेरी कंपनियों के साथ भी आईआईटी ने समझौता कर रखा है। रिसर्च के लिए जरूरी दुनियाभर के ई-जर्नल भी संस्थान में मौजूद है। संस्थान के निदेशक प्रो. निलेश कुमार जैन का कहना है कि किसी भी संस्थान के लिए रिसर्च जरूरी होती है। इसके लिए जरूरी है कि विद्यार्थी और प्रोफेसर्स जो किताबें पढ़ना चाहते हैं, वह उपलब्ध हो सके।

विकसित कर रहे यूट्यूब चैनल

आईआईएम, इंदौर में भी अब मैन्युअल लाइब्रेरी के मुकाबले ज्यादातर विद्यार्थियों को इंटरनेट पर मौजूद ई-लाइब्रेरी भी उपलब्ध कराई गई है। एसजीएसआईटीएस में भी विद्यार्थियों को ई-लाइब्रेरी भी उपलब्ध कराई जा रही है। संस्थान के निदेशक का कहना है कि इंटरनेट के बढ़ते उपयोग से विद्यार्थी मोबाइल और लैपटॉप पर ज्यादा समय व्यतीत कर रहे हैं। संस्थान ने आईआईटी मुंबई से भी वीडियो लेक्चर देखने के लिए समझौता कर रखा है। यूट्यूब पर भी कंटेंट बढ़ाया जा रहा है, ताकि विद्यार्थी ग्राफिक्स के साथ विषयों को समझ सके।